

Padma Shri



SMT. AJITA SRIVASTAVA

Smt. Ajita Srivastava is an Educationist, Famous Singer and Social worker. She is a well-known folk singer of Uttar Pradesh from Mirzapur, dedicated to popular folklore and cultural heritage of Uttar Pradesh "KAJLI or KAJRI". She has been associated with 'Kajli' since 70's decade and is widely recognised to preserve, conserve and propagate this popular folklore of Uttar Pradesh.

2. Born on 6th September, 1954, in Varanasi, Smt. Srivastava completed her graduation and post graduation (Ancient History and Hindi) from Banaras Hindu University and B.Ed from Gorakhpur University, Sangeet Prabhakar from Prayag Sangeet Samiti, Prayagraj. She worked as a Lecturer in Aryakanya Inter college Mirzapur since 1977. After long and successful 40 years teaching career, she retired in the year 2017. She had a melodious voice since childhood and she started professional singing with the encouragement by her husband Mr. RB Lal who was a poet, writer and Lawyer by profession.

3. Smt. Srivastava started her career with Akashwani Varanasi since 1980 (Later member of All India Radio Advisory committee for 06 years), and associated with various organizations eg. Doordarshan, NCZCC Prayagraj, Ministry of Culture Govt of India, Dept of Tourism UP Govt, Dept of Culture, Govt of India and UP Govt, Sangeet Natak Academy Uttar Pradesh, ICCR Ministry of External Affairs Govt of India etc. She has given various successful programmes in many provinces of India like Uttar Pradesh, Bihar, West Bengal, Punjab, Haryana, Rajasthan, Gujarat, Jammu and Kashmir, Maharashtra, Goa, Delhi, Madhya Pradesh etc.

4. Smt. Srivastava has rendered social service for various National interest and social interest issues through her Bhojpuri, Kajli, Hindi songs with collaboration to Govt of India, UP Govt and District Administration e.g. Swachh Bharat Mission, Covid-19 Awareness, Voter Awareness Programme, Nirmal Ganga Mission, Tree Plantation, Van Mahotsav, International Yoga Day, Population Control, Beti Bachao-Beti Padhao, etc. She also assisted many PHD Students to write Thesis in the subject 'KAJLI'. She organized many workshops in collaboration with Government of India and State government under Guru-Shishya tradition. She also participated various seminars, functions, debate and interviews related to the topic. She is providing free training to Kajli for students at home and also free online training since COVID-19 pandemic through her youtube channel 'SARGAM by Ajita Srivastava'.

5. Smt. Srivastava has received several awards and honours including Academy Award for 'KAJLI' for the year 2017 from the Government of Uttar Pradesh, Kajali Samargyi Samman in 1996; Kashi Anand Samman 2020 ; Namami Gange Jagriti Samman-2017; Hindi Shree Samman-2021; SAARC Foswal Samman-2010,2011; Vaishya gaurav Samman 2011, Kajali Kokila Samman-2021, Vishwa Hindi Shodh Samvardhan Samman 2021, Yogya Shikshakevam Kajli Gayika Samman 2021, Nari Shakti Samman by Amar Ujala 2008, Kajlikaryashala Mukhya Prashikshika Samman-2019, Green UP- Clean UP Visisth Samman-2019 amongst other prestigious awards and honours.

पद्म श्री



श्रीमती अजीता श्रीवास्तव

श्रीमती अजीता श्रीवास्तव एक शिक्षाविद, प्रख्यात गायिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की सुविख्यात लोक गायिका हैं जो उत्तर प्रदेश की लोकप्रिय लोकगीत और सांस्कृतिक विरासत “कजली अथवा कजरी” के लिए समर्पित है। वह 70 के दशक से ‘कजली’ गायन से जुड़ी हुई हैं और उत्तर प्रदेश के इस लोकप्रिय लोकगीत को संरक्षण देने, संरक्षित करने और उसका प्रचार करने के लिए बड़े स्तर पर जानी-पहचानी जाती हैं।

2. 6 सितंबर, 1954 को बनारस में जन्मी, श्रीमती श्रीवास्तव ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर (प्राचीन इतिहास और हिन्दी) और गोरखपुर विश्वविद्यालय से बीएड और प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज से संगीत प्रभाकर की शिक्षा—दीक्षा पूरी की। उन्होंने वर्ष 1977 से आर्य कन्या इंटर कॉलेज मिर्जापुर में एक प्रध्यापक के तौर पर कार्य प्रारम्भ किया और 40 वर्ष लम्बे सफल शिक्षण कैरियर के पश्चात वह वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुईं। बचपन से ही उनकी आवाज काफी मधुर थी और अपने पति श्री आरबी लाल के प्रोत्साहित करने पर इन्होंने प्रोफेशनल गायन की शुरुआत की, जो एक कवि, लेखक और पेशे से अधिवक्ता थे।

3. श्रीमती श्रीवास्तव ने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 1980 में आकाशवाणी वाराणसी से की (बाद में 06 वर्ष के लिए अखिल भारतीय आकाशवाणी सलाहकार समिति की सदस्य), और दूरदर्शन, एनसीजेडसीसी प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार; पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; संस्कृति विभाग, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार, संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश, आईसीसीआर विदेश मंत्रालय, भारत सरकार इत्यादि जैसे विभिन्न संगठनों से संबद्ध रहीं। उन्होंने उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, गोवा, दिल्ली, मध्य प्रदेश इत्यादि जैसे भारत के विभिन्न राज्यों में कई सफल कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया।

4. श्रीमती श्रीवास्तव ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग से अपनी भोजपुरी, कजली, हिन्दी गानों के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय हित और सामाजिक हित संबंधी मुद्दों, जैसे कि — स्वच्छ भारत मिशन, कोविड-19 जागरूकता, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, निर्मल गंगा मिशन, वृक्षारोपण, वन महोत्सव, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, जनसंख्या नियंत्रण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इत्यादि के लिए समाज सेवा का कार्य किया है। उन्होंने ‘कजली’ विषय पर थिसिस लिखने के लिए बहुत सारे पीएचडी छात्रों की भी सहायता की है। उन्होंने गुरु शिष्य परम्परा का निर्वहन करते हुए भारत सरकार और राज्य सरकार के सहयोग से कई कार्यशालाएं आयोजित की। उन्होंने इस विषय से संबंधित विभिन्न सम्मेलनों, कार्यक्रमों, वाद-विवाद और साक्षात्कारों में भी भाग लिया। श्रीमती श्रीवास्तव घर पर ही छात्रों को कजली का निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं और अपने यू ट्यूब चैनल ‘सरगम बाइ अजीता श्रीवास्तव’ के माध्यम से कोविड-19 महामारी के समय से निशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण भी प्रदान कर रही हैं।

5. श्रीमती श्रीवास्तव को अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों के अलावा कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है, उनमें शामिल हैं — उत्तर प्रदेश सरकार से वर्ष 2017 के लिए ‘कजली’ के क्षेत्र में अकादमी पुरस्कार, वर्ष 1996 में कजली साम्राज्ञी सम्मान, काशी आनंद सम्मान 2020; नमामि जागृति सम्मान— 2017; हिन्दी श्री सम्मान— 2021; सार्क फोसवाल सम्मान—2010, 2021; वैश्य गौरव सम्मान 2011; कजली कोकिला सम्मान 2021; विश्व हिन्दी शोध संवर्धन सम्मान 2021; योग्य शिक्षक एवं कजली गायिका सम्मान 2021; अमर उजाला द्वारा नारी शक्ति सम्मान 2008; कजली कार्यशाला मुख्य प्रशिक्षिका सम्मान 2019; हरित उत्तर प्रदेश—स्वच्छ उत्तर प्रदेश विशिष्ट सम्मान 2019।